अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2018) **दिनांक : 21.12.18**

समय सीमा : 3 घंटा **पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

भिक्षु दृष्टांत30

प्र. 1 किन्हीं बारह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 12

(क) हेमजी स्वामी ने रजोहरण की चर्चा किससे की?

(ख) सवाई नामक साधु ने हेमजी को मकोड़ा क्या समझकर बतलाया?

(ग) भगवती सूत्र में गोशालक का पाठ कौन से जती जी ने पढ़ कर सुनाया?

(घ) उपाश्रय की चर्चा में हेम जी की विजय का समाचार आचार्य भिक्षु को किसने दिया?

(ङ) 'तुम्हारी श्रद्धा तुम्हारे पास, हमारी श्रद्धा हमारे पास' यह कथन किसने किसको कहा?

(च) 'जिन प्रतिमा जिन सारखी' का क्या अर्थ बताया गया?

(छ) 'विजय सिंह जी नरेश ने अमारी पडह पशु वध न करने की घोषणा करवाई। उसका उन्हें क्या हुआ?' इस प्रश्न का हेम जी स्वामी ने क्या उत्तर दिया।

(ज) 'इतने वर्ष तो बीत गये, अब आत्मा के काला क्यों लगाऊं', इस कथन पर हेमजी स्वामी ने प्रत्युत्तर में क्या कहा?

(झ) सम्यक् दृष्टि की मति को मतिज्ञान किस आगम में कहा गया है?

(ञ) भारमाल जी स्वामी ने छेदोपस्थापनीय चारित्र का विरह जघन्य 63 हजार वर्ष किस अपेक्षा से बताया?

(ट) जीव, अजीव, पुण्य और पाप के कितने-कितने भेद हैं?

(ठ) 'तुम इनसे चर्चा करते हो, पर ये चर्चा करने लायक नहीं है', यह कथन किसने किसको कहा?

(ड) शुभ योग को संवर किसने बताया?

(ढ) 'एक आला फिर चाहिए' यह बात शोभाचंद जी ने किस अर्थ में कही?

(ण) 'भीखण जी का साधु तो अकेला नहीं फिरता' यह कथन किसने किसको कहा?

प्र. 2 किन्हीं तीन घटना प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें। 18

(क) नरक में भी अजीव जाएगा?

(ख) हेम जी चर्चा करोगे?

(ग) तीन मिच्छामि दुक्कडं में पहला मिच्छामि दुक्कडं तक लिखें।

(घ) दोनों में एक झूठ।

(ङ) सब पूरीया ही पूरीया है।

भ्रम विध्वंसन35

प्र. 3 किन्हीं आठ प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 8

(क) जयाचार्य ने अग्रगण्य बनने से पहले कितने वर्षों तक आगमिक अध्ययन किया?

(ख) इस ग्रन्थ में कितने वर्ष पूर्व के तर्क-वितर्क का समाधान दिया गया है?

(ग) जैनों में जातिवाद का संक्रमण कहां से हुआ?

(घ) श्री मज्जयाचार्य ने 'श्रुतरहित मिथ्यात्वी' के लिए क्या मान्यता सिद्ध की?

(ङ) प्रारम्भ में 'दान' का कौन सा स्वरूप प्रचलित था?

(च) आर्द्रकुमार मुनि ने असंयमशील ब्राह्मणों को भोजन करवाने को कौन सी नरक का रास्ता बताया?

(छ) सूत्रकृतांग आगम में माहन किसे कहा गया है?

(ज) 'न हिंसा इति अहिंसा' यह किसका शाब्दिक अर्थ है तथा इसका क्या तात्पर्य है?

(झ) ठाणं सूत्र में महाकर्म निर्जरा के कितने स्थान बतलाये हैं? उनमें पांचवां स्थान कौन सा है?

(ञ) वास्तव में विनय किसका नाम है?

प्र. 4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) शकडाल श्रावक ने गोशालक को लौकिक दान देते हुए क्या कहा?

(ख) देवता और नारकी में जीव के तीन भेद11, 13 व 14 किस आधार पर माने?

(ग) सूत्र पठन का साधुओं के लिए क्या प्रावधान है?

(घ) आज के समाज सुधारक दान के स्थान पर सहयोग को महत्व क्यों दे रहे हैं?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 12

(क) नमि राजर्षि की निस्पृहता पर टिप्पणी लिखें।

(ख) वर्षीदान क्या है? यह सावद्य है या निरवद्य?

(ग) 'गुणानुवाद' पर प्रकाश डालें।

(घ) सिद्ध करें कि भगवान महावीर ने 'सर्वजन हिताय धर्म' की व्याख्या की थी।

प्र. 6 'दान' शब्द की व्याख्या करते हुए 'श्रावक और दान' पर प्रकाश डालें। 10

अथवा

लौकिक और लोकोत्तर अनुकम्पा को व्याख्यायित करते हुए गांधी जी व आचार्य भिक्षु के विचारों की तुलनात्मक समीक्षा करें।

भिक्षु गीता20

प्र. 7 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 3

(क) अनुशासन का अनुपालन कौन कर सकता है?

(ख) 'पवित्र पंचामृत' से क्या तात्पर्य है?

(ग) गण में कौन सा व्यक्ति मान्य है?

(घ) कौन सी विशेषताओं को गण का प्राण बताया गया है?

(ङ) ध्यान फल कब देता है?

प्र. 8 आचार्य के लिए सहिष्णुता का क्या महत्व है व इसकी क्या सीमा है? 5

अथवा

मनोबल के हेतुओं का उल्लेख करते हुए बतायें कि कषाय का उपशमन क्यों और कैसे करें?

प्र. 9 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 12

(क) कदाचिद् गौरवं कामं कदाचिद् विक्षिपेद् मतिः।
कदाचिद् भयमौत्सुक्यं सहेतुकमहेतुकम्।।

(ख) इन्द्रियांवशता हीना वशीकारः प्रवर्धते।
स संघः स्वगतैः प्राणैः वर्धते संप्रवर्धते।।

(ग) आचार्ये प्रतनुर्निष्ठा गणेऽपि च तथाविधा।
दृढ़ा व्यक्तिविशेषे स्यात् स नो सम्मानमर्हति।।

(घ) आवेगो बलवानस्ति निरूद्धो नापराध्यति।
अनिरूद्धः स साफल्यं रूणद्धि नात्र संशयः।।

भिक्षु वाणी (पूर्ण कंठस्थ)15

प्र. 10 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें। 6

(क) आहार पाणी.....उठ जावे।।

(ख) ते पाप.....नहीं दोस।।

(ग) तिणनें राजा.....खाय।।

(घ) जिण मारग.....घी आवें।।

प्र. 11 कोई तीन विषय पर पद्य लिखें। 9

(क) कामभोग

(ख) धर्म

(ग) मोह

(घ) संसार

(ङ) हिंसा-अहिंसा